पाठ 1

प्रार्थना

दयाकर दान भक्ति का हमें परमात्मा देना।
दया करना हमारी आत्मा में शुद्धता देना।।

हमारे ध्यान में आओ, प्रभु आँखों में बस जाओ।
अंधेरे दिल में आकर के, परम ज्योति जगा देना।।

हमें आपस में मिल-जुलकर, प्रभु रहना सिखा देना।
हमारा कर्म हो सेवा व सेवक चर बना देना।।

वतन के वास्ते जीना, वतन के वास्ते मरना।
वतन पर जाँ-फ़िदा करना, प्रभु हमको सिखा देना।

शिक्षण संकेत

- बच्चों को प्रार्थना का महत्व बताएँ।
- कविता का आरोह-अवरोह एवं लय के साथ पहले स्वयं वाचन करें फिर, बच्चों से भी करवाएँ।
- कविता का भावार्थ बच्चों की सहभागिता से स्पष्ट करें।
- कविता को प्रत्येक बच्चे से कंठस्थ करने को कहें।

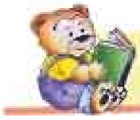

नए शब्द

परमात्मा = ईश्वर। **शुद्धता** = पवित्रता। **परम ज्योति** = दिव्य प्रकाश। **सागर** = समुद्र।
वतन = जन्मभूमि ।**जाँ- फिदा** = प्राण न्यौछावर।

अनुभव विस्तार

1. कविता से खोजकर बताइए :

(क) सही जोड़ियाँ बनाइए -

दया कर- सेवा

आत्मा में - जगा देना

ज्योति - शुद्धता देना

कर्म हो - दान भक्ति का

(ख) कविता को पढ़कर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -

1. दया करना हमारी आत्मा में .... देना ।
2. बहा दो प्रेम की .... दिलों में प्रेम का सागर ।
3. हमारा कर्म हो .... हमारा धर्म हो .... ।
4. वतन के वास्ते .... वतन के वास्ते .... ।

2. अति लघु उत्तरीय प्रश्न :-

निर्देश-निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए -

1. कवि परमात्मा से कौन सा दान माँग रहाँ है?
2. हमारा कर्म और धर्म क्या होना चाहिए ?
3. हमें आपस में किस प्रकार रहना चाहिए ?
4. कवि किसके लिए जीना-मरना चाहता है?

3. लघु उत्तरीय प्रश्न :-

निर्देश-निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए -

1. हमें मिल जुलकर क्यों रहना चाहिए ?
2. 'आत्मा में शुद्धता देना' का क्या तात्पर्य है?

भाषा की बात

1. दी गई पंक्तियों में आए रेखांकित शब्दों पर ध्यान दीजिए -

1. दया कर दान भक्ति का हमें परमात्मा देना ।
2. हमारे ध्यान में आओ प्रभु आँखों में बस जाओ ।

'परमात्मा' और 'प्रभु' शब्द ईश्वर के लिए प्रयोग किए गए हैं। इसी प्रकार 'फूल' के लिए 'पुष्प' 'सुमन' 'कुसुम' आदि शब्द भी प्रयोग किए जाते हैं। ये शब्द समान अर्थ का बोध कराते हैं।

जो शब्द परस्पर समान अर्थ या मिलते जुलते अर्थ का बोध कराते हैं उन्हें समानार्थी या पर्यायवाची शब्द कहते हैं ।

उदाहरण :

सूर्य	-	सूरज, भास्कर, दिनकर
नदी	-	सरिता, सरि, पयस्विनी
हवा	-	वायु, पवन, समीर
पानी	-	जल , नीर, वारि

प्रश्न नीचे दिए गए शब्दों में से जो शब्द समान अर्थ का बोध नहीं कराते हैं, उन पर गोला बनाइए ।

सागर	-	जलधि	सरिता	रत्नाकर
गंगा	-	भगीरथी	सुरसरि	सारिका
जन्मभूमि	-	प्रदेश	मातृभूमि	वतन
नेत्र	-	आँख	नासिका	नयन

प्रश्न नीचे दी गई शब्द पहेली को ध्यान से देखें इसमें नीचे लिखे हुए शब्दों के दो-दो समानार्थी या पर्यायवाची शब्द हैं। उन्हें छाँटकर लिखिए ।

आकाश, कमल, पहाड़, अग्नि, घर, पानी, दिन

न	ज	ल	ज	भू	नी
ग	भ	र	वा	ध	र
ग	नी	भ	रि	र	श
न	दि	व	स	अ	य
स	द	न	रो	न	आ
प	र्व	त	ज	ल	ग

आकाश	-	1 ....नभ.............	2 ....
कमल	-	1	2 ....
पहाड़	-	1	2 ....
अग्नि	-	1	2 ....
घर	-	1	2 ....
पानी	-	1	2 ....
दिन	-	1	2 ....

अब करने की बारी

1. पत्र-पत्रिकाओं एवं अन्य पुस्तकों से राष्ट्रीय-भावना की कविताएँ और गीत छाँटकर उनका संकलन कीजिए।
2. राष्ट्र के लिए अपना बलिदान देने वाले महान पुरुषों के चित्रों को खोजिए तथा उनको संकलित कीजिए।
3. इसी प्रकार की अन्य प्रार्थनाएँ खोजिए और पढ़िए।

0